

# MASTER OF ARTS (POLITICAL SCIENCE) (MPSE)

Term-End Examination December, 2024

## MPSE-007: SOCIAL MOVEMENTS AND POLITICS IN INDIA

### Most Important Questions with Answers

#### REVISION CLASS 03

Write short note about Fisher Folks' Movement in India.

भारत में मछुआरा आंदोलन पर टिप्पणी कीजिए।

The **Fisher Folks' Movement** in India refers to the struggle of **fishermen** and **fishing communities** for their rights, better living conditions, and social justice. This movement has been significant in highlighting the issues faced by people whose lives depend on fishing, particularly in coastal regions. The main concerns of the movement have been:

भारत में मछुआरा आंदोलन उन मछुआरों और मछुआरा समुदायों का संघर्ष है जो अपने अधिकारों, बेहतर जीवन स्थितियों और सामाजिक न्याय के लिए लड़ा गया है। इस आंदोलन ने विशेष रूप से तटीय क्षेत्रों में मछली पकड़ने पर निर्भर लोगों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं को उजागर किया है। इस आंदोलन के मुख्य मुद्दे निम्नलिखित रहे हैं:

**Land Rights and Access to Resources:** Fishermen often face challenges in securing land rights and access to coastal areas for fishing. The **encroachment** of coastal land for development and tourism has impacted their traditional way of life.

**भूमि अधिकार और संसाधनों तक पहुंच:** मछुआरों को अक्सर भूमि अधिकारों और मछली पकड़ने के लिए तटीय क्षेत्रों तक पहुंच प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। तटीय भूमि पर **विकास** और **पर्यटन** के कारण उनके पारंपरिक जीवन शैली पर असर पड़ा है।

**Political Representation:** Fishermen have long been marginalized in terms of political power. The movement aimed to provide them with better representation and a **voice in policymaking** regarding coastal management and fisheries.

**राजनीतिक प्रतिनिधित्व:** मछुआरे लंबे समय से राजनीतिक रूप से हाशिए पर रहे हैं। इस आंदोलन का उद्देश्य उन्हें बेहतर **राजनीतिक प्रतिनिधित्व** और तटीय प्रबंधन और मछली पालन संबंधी नीतियों में एक **आवाज़** प्रदान करना था।

**Economic and Social Welfare:** The movement has also focused on improving the **economic conditions** of fishing communities, who often live in poverty and lack proper access to healthcare, education, and other basic services.

**आर्थिक और सामाजिक कल्याण:** यह आंदोलन मछुआरा समुदायों की **आर्थिक स्थितियों** में सुधार पर भी केंद्रित है, क्योंकि यह समुदाय अक्सर गरीबी में रहते हैं और उन्हें स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और अन्य बुनियादी सेवाओं तक उचित पहुंच नहीं होती।

**Protests and Activism:** Over the years, several protests and actions have been organized by fishing communities to fight against government policies, pollution, and illegal fishing practices that harm their livelihoods.

**प्रदर्शन और सक्रियता:** वर्षों में, मछुआरा समुदायों ने सरकार की नीतियों, प्रदूषण और अवैध मछली पकड़ने के खिलाफ कई प्रदर्शनों और अभियानों का आयोजन किया है, जो उनके आजीविका को नुकसान पहुंचाते हैं।

One of the notable examples of the Fisher Folks' Movement is the **Tamil Nadu Fishermen's Protest** and the **Kerala Fishermen's Struggles** for better working conditions, fair wages, and rights to fish in territorial waters.

भारत में मछुआरा आंदोलन का एक प्रमुख उदाहरण **तमिलनाडु मछुआरों का प्रदर्शन** और **केरल मछुआरों का संघर्ष** है, जिसमें बेहतर कामकाजी परिस्थितियाँ, उचित वेतन और क्षेत्रीय जल में मछली पकड़ने के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी गई।

**Conclusion: निष्कर्ष:**

The **Fisher Folks' Movement** in India has played a vital role in addressing the concerns of fishing communities. It has helped to bring attention to the **social, economic, and environmental issues** they face, and has significantly contributed to policy changes that aim to protect their rights.

भारत में मछुआरा आंदोलन ने मछुआरा समुदायों की समस्याओं को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने उनके सामने आने वाली **सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं** पर ध्यान आकर्षित किया है और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए नीति में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

**What is Resource Mobilization Theory?**

**संसाधन लामबंद सिद्धांत क्या है ?**

**Resource Mobilization Theory संसाधन लामबंद सिद्धांत**

**Resource Mobilization Theory** is a theory in **social movement theory** that focuses on the **strategies** and **resources** used by social movements to achieve their goals. According to this theory, social movements succeed not only because they are based on grievances or injustices but because they are able to **organize** and **mobilize resources** effectively. These resources can include **money, people, skills, media, and organizational support**.

संसाधन लामबंद सिद्धांत सामाजिक आंदोलन के सिद्धांतों में एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है, जो सामाजिक आंदोलनों के द्वारा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपयोग किए गए रणनीतियों और संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करता है। इस सिद्धांत के अनुसार, सामाजिक आंदोलन केवल शिकायतों या अत्याचारों के आधार पर सफल नहीं होते, बल्कि इसलिए सफल होते हैं क्योंकि वे प्रभावी रूप से संसाधनों का संगठन और लामबंद करने में सक्षम होते हैं। ये संसाधन धन, लोग, कौशल, मीडिया और संगठनात्मक समर्थन हो सकते हैं।

The theory emphasizes that social movements need to **access, allocate, and use resources** such as funds, leadership, expertise, and social networks to **sustain their efforts** and influence change. Resource mobilization suggests that **external support**, such as help from **political allies** or other **social organizations**, can also play a crucial role in the success of a movement.

यह सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि सामाजिक आंदोलनों को अपने प्रयासों को बनाए रखने और परिवर्तन को प्रभावित करने के लिए संसाधन जैसे धन, नेतृत्व, विशेषज्ञता और सामाजिक नेटवर्क की पहुँच, आवंटन और उपयोग करने की आवश्यकता होती है। संसाधन लामबंद सिद्धांत यह सुझाता है कि बाहरी समर्थन, जैसे कि राजनीतिक सहयोगियों या अन्य सामाजिक संगठनों से मदद, आंदोलन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

### Key Points of Resource Mobilization Theory:

- Importance of Resources:** The theory emphasizes that without adequate resources, no social movement can survive or succeed.
- Organizational Capacity:** Effective **organization**, including leadership and strategies, is critical to mobilizing resources.
- External Support:** Help from outside sources, including **government, media, or other organizations**, can play an essential role.
- Focus on Strategic Action:** It focuses on the **practical actions** movements take to gather resources and create change, rather than just the **ideology** behind the movement.

### संसाधन लामबंद सिद्धांत के मुख्य बिंदु (Hindi):

- संसाधनों का महत्व:** यह सिद्धांत यह बताता है कि पर्याप्त संसाधनों के बिना कोई भी सामाजिक आंदोलन जीवित नहीं रह सकता या सफल नहीं हो सकता।
- संगठनात्मक क्षमता:** संसाधनों को लामबंद करने के लिए प्रभावी संगठन (नेतृत्व और रणनीतियाँ) आवश्यक हैं।
- बाहरी समर्थन:** बाहरी स्रोतों से, जैसे कि सरकार, मीडिया या अन्य संगठनों से मदद भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।
- रणनीतिक क्रियावली पर ध्यान:** यह सिद्धांत विचारधारा के बजाय आंदोलनों द्वारा संसाधनों को इकट्ठा करने और परिवर्तन लाने के लिए किए गए व्यावहारिक कदमों पर ध्यान केंद्रित करता है।

### Conclusion

In summary, **Resource Mobilization Theory** argues that the success of social movements largely depends on their ability to **mobilize resources** effectively, not just the **presence of grievances** or injustices. Movements need to be able to organize and access support, both internally and externally, in order to **achieve their goals** and **influence change**.

## निष्कर्ष

संक्षेप में, **संसाधन लामबंद सिद्धांत** यह तर्क करता है कि सामाजिक आंदोलनों की सफलता मुख्य रूप से उनकी क्षमता पर निर्भर करती है कि वे **संसाधनों का प्रभावी ढंग से लामबंद** कर सकें, न कि केवल **शिकायतों** या **अत्याचारों** के आधार पर। आंदोलनों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और परिवर्तन लाने के लिए आंतरिक और बाहरी दोनों प्रकार के समर्थन को **संगठित** और **प्राप्त** करने में सक्षम होना चाहिए।

**What are the social economic expectations in a democratic system?**

**एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सामाजिक - आर्थिक अपेक्षाएं क्या हैं?**

In a **democratic system**, people have certain **social** and **economic expectations** that are based on their rights and responsibilities as citizens. These expectations include the following:

**लोकतांत्रिक व्यवस्था** में लोगों की कुछ **सामाजिक** और **आर्थिक अपेक्षाएं** होती हैं, जो उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों पर आधारित होती हैं। ये अपेक्षाएं निम्नलिखित हैं:

### **1. Equality and Social Justice:**

One of the core expectations in a democracy is that every citizen should be treated **equally** and have access to **basic rights**. This includes **freedom of speech, education, healthcare,** and protection from **discrimination** based on caste, gender, religion, or social status.

### **1. समानता और सामाजिक न्याय:**

लोकतंत्र में एक प्रमुख अपेक्षा यह है कि हर नागरिक को **समान रूप से** व्यवहार मिलना चाहिए और उसे **मूलभूत अधिकारों** तक पहुंच प्राप्त होनी चाहिए। इसमें **बोलने की स्वतंत्रता, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल,** और जाति, लिंग, धर्म या सामाजिक स्थिति के आधार पर **भेदभाव से सुरक्षा** शामिल है।

### **2. Economic Opportunity and Fair Distribution of Wealth:**

People expect that in a democracy, there will be **economic opportunities** for everyone, regardless of their background. This includes the availability of **jobs, fair wages,** and a system that ensures the **equal distribution of wealth** so that no one is left in extreme poverty.

## 2. आर्थिक अवसर और संपत्ति का उचित वितरण:

लोग उम्मीद करते हैं कि लोकतंत्र में सभी के लिए **आर्थिक अवसर** उपलब्ध होंगे, चाहे उनका पारिवारिक या सामाजिक पृष्ठभूमि जैसा भी हो। इसमें **रोजगार, उचित वेतन और संपत्ति का समान वितरण** सुनिश्चित करने की प्रणाली शामिल है ताकि कोई भी व्यक्ति अत्यधिक गरीबी में न रहे।

## 3. Rule of Law:

A democratic system ensures that the **law applies equally** to everyone. People expect that their rights will be protected by the law and that **justice** will be served fairly without bias or corruption.

## 3. कानून का शासन:

लोकतांत्रिक व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि **कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है**। लोग उम्मीद करते हैं कि उनके अधिकारों की रक्षा कानून द्वारा की जाएगी और **न्याय** निष्पक्ष तरीके से दिया जाएगा, बिना किसी पक्षपाती या भ्रष्टाचार के।

## 4. Participation in Decision Making:

In a democracy, citizens expect to have the right to **participate** in political decisions that affect their lives. This can be through voting in elections, joining political parties, or engaging in social movements to bring about change.

## 4. निर्णय लेने में भागीदारी:

लोकतंत्र में नागरिकों की अपेक्षा होती है कि वे उन राजनीतिक निर्णयों में भाग ले सकेंगे जो उनके जीवन को प्रभावित करते हैं। यह चुनावों में वोट डालने, राजनीतिक दलों से जुड़ने, या सामाजिक आंदोलनों में भाग लेने के माध्यम से बदलाव लाने की प्रक्रिया हो सकती है।

## 5. Social Security and Welfare:

Citizens expect that their government will provide a **social safety net** to protect the most vulnerable sections of society, such as the poor, elderly, and disabled. This includes programs like **pensions, unemployment benefits, and health insurance**.

## 5. सामाजिक सुरक्षा और कल्याण:

नागरिकों की उम्मीद है कि उनका सरकार **सामाजिक सुरक्षा का जाल** प्रदान करेगी, ताकि समाज के सबसे कमजोर वर्गों की रक्षा की जा सके, जैसे गरीब, वृद्ध और विकलांग लोग। इसमें **पेंशन, बेरोजगारी भत्ता, और स्वास्थ्य बीमा** जैसी योजनाएं शामिल हैं।

## Conclusion

In a democratic system, the expectations of citizens are shaped by the principles of **equality, freedom, and justice**. The government is expected to ensure that social and economic rights

are protected, and every individual has the opportunity to succeed and contribute to society. These expectations are fundamental for building a **fair** and **just society**.

## निष्कर्ष

लोकतांत्रिक व्यवस्था में, नागरिकों की अपेक्षाएं **समानता**, **स्वतंत्रता** और **न्याय** के सिद्धांतों द्वारा आकारित होती हैं। सरकार से यह उम्मीद की जाती है कि वह सामाजिक और आर्थिक अधिकारों की रक्षा करेगी, और प्रत्येक व्यक्ति को सफलता प्राप्त करने और समाज में योगदान देने का अवसर मिलेगा। ये अपेक्षाएं **न्यायपूर्ण** और **समान समाज** बनाने के लिए बुनियादी हैं।

**Explain the Theory of Relative Deprivation.**

### सापेक्ष वंचन के सिद्धांत को समझाइए।

**Relative Deprivation Theory** explains that people feel deprived or dissatisfied not necessarily because they are in absolute poverty or lacking resources, but because they perceive themselves as being worse off compared to others in society. This sense of **discontent** arises when individuals or groups believe that they deserve more or have been unfairly deprived of certain resources, rights, or opportunities, especially when compared to others who have access to those things.

**सापेक्ष वंचन का सिद्धांत** यह समझाता है कि लोग केवल इस कारण वंचित या असंतुष्ट महसूस नहीं करते क्योंकि वे **सापेक्ष रूप से गरीब** हैं या उन्हें संसाधनों की कमी है, बल्कि वे इसलिए असंतुष्ट होते हैं क्योंकि वे खुद को समाज में दूसरों के मुकाबले कमतर समझते हैं। यह असंतोष तब उत्पन्न होता है जब व्यक्ति या समूह यह मानते हैं कि वे ज्यादा डिजर्व करते हैं या उन्हें कुछ संसाधनों, अधिकारों, या अवसरों से अनियायपूर्वक वंचित कर दिया गया है, विशेष रूप से जब वे दूसरों से तुलना करते हैं जो इन चीजों तक पहुंच रखते हैं।

The theory suggests that **inequality** and **social comparison** are key factors in creating a feeling of deprivation. When people see others with more wealth, better living conditions, or higher social status, they may feel a sense of injustice or frustration, which can lead to social unrest or even collective action, such as protests or social movements. The theory is often used to understand how social movements, like **civil rights movements** or **labor strikes**, emerge in societies where inequality exists.

यह सिद्धांत यह सुझाता है कि **असमानता** और **सामाजिक तुलना** सापेक्ष वंचना की भावना पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब लोग दूसरों को अधिक संपत्ति, बेहतर जीवन स्थितियाँ, या उच्च सामाजिक स्थिति के साथ देखते हैं, तो वे अन्याय या हताशा महसूस कर सकते हैं, जो सामाजिक अशांति या सामूहिक क्रियावली, जैसे विरोध प्रदर्शन या सामाजिक आंदोलनों की ओर अग्रसर हो सकता है। यह सिद्धांत यह समझने में मदद करता है कि कैसे सामाजिक आंदोलनों, जैसे **नागरिक अधिकार आंदोलन** या **मजदूर हड़तालें**, उन समाजों में उत्पन्न होते हैं जहाँ असमानता मौजूद होती है।

### Key Points of Relative Deprivation Theory (English)



**Social Comparison:** People often compare themselves to others in their social environment. If they perceive others as having more or being better off, they may feel deprived.

**सामाजिक तुलना:** लोग अक्सर अपने आप को अपने सामाजिक परिवेश में दूसरों से तुलना करते हैं। यदि वे दूसरों को अधिक या बेहतर स्थिति में देखते हैं, तो उन्हें वंचित महसूस हो सकता है।

**Psychological and Emotional Impact:** The sense of relative deprivation leads to **emotional responses** like frustration, anger, and resentment, which can fuel movements for change.

**मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक प्रभाव:** सापेक्ष वंचना की भावना **भावनात्मक प्रतिक्रियाओं** का कारण बनती है जैसे निराशा, गुस्सा, और जलन, जो बदलाव के लिए आंदोलनों को बढ़ावा देती है।

**Inequality and Social Unrest:** The theory explains how **inequality** between different social groups can lead to dissatisfaction and social unrest. It highlights that people are more likely to protest or demand change when they perceive themselves as being **disadvantaged** compared to others.

**असमानता और सामाजिक अशांति:** यह सिद्धांत यह बताता है कि विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच **असमानता** किस प्रकार असंतोष और सामाजिक अशांति का कारण बन सकती है। यह इस बात पर जोर देता है कि लोग तब अधिक विरोध या बदलाव की मांग करते हैं जब वे महसूस करते हैं कि वे दूसरों की तुलना में **कमतर** हैं।

**Expectations and Reality:** When people's expectations about their **standard of living** or **rights** are not met, they may feel deprived, even if their living conditions are not the worst in absolute terms.

**अपेक्षाएँ और वास्तविकता:** जब लोगों की **जीवन स्तर** या **अधिकारों** के बारे में अपेक्षाएँ पूरी नहीं होतीं, तो वे वंचित महसूस कर सकते हैं, भले ही उनकी जीवन स्थितियाँ वास्तव में सबसे खराब न हों।

### Example of Relative Deprivation

For instance, in a society, if a person earns a certain amount of money and lives a modest life, but they see others with much higher salaries or better living conditions, they may start to feel deprived. Even though they are not in extreme poverty, their comparison with others leads them to feel that they are unfairly disadvantaged. This can trigger a desire for social change.

### सापेक्ष वंचना का उदाहरण

उदाहरण के लिए, एक समाज में, यदि एक व्यक्ति एक निश्चित मात्रा में पैसा कमाता है और साधारण जीवन जीता है, लेकिन वह दूसरों को अधिक वेतन या बेहतर जीवन स्थितियों के साथ देखता है, तो वह वंचित महसूस कर सकता है। हालांकि वह अत्यधिक गरीबी में नहीं है, लेकिन दूसरों के साथ उसकी तुलना उसे यह महसूस कराती है कि वह अनुचित तरीके से वंचित है। इससे सामाजिक परिवर्तन की इच्छा उत्पन्न हो सकती है।

**WATCH OTHER PARTS OF MPSE 007 AVAILABLE ON MY CHANNEL**

**FOR PDF VISIT MY WEBSITE [hindustanknowledge.com](http://hindustanknowledge.com)**

**Also join my Whatsapp Channel link is in description.**

Scholarly Minds